विजयवर्गीय करियर निर्देशन "प्रयास" कार्यक्रम

–एक अभिनव योजना–

"प्रयास" विजयवर्गीय करियर निर्देषन

"विजयवर्गीयों का–विजयवर्गीयों के लिये–विजयवर्गीयों द्वारा"

किसी भी समाज–राष्ट्र निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उन्हें सही समय पर सही निर्णय लेने हेतु आवष्यक मार्गदर्षन की आवष्यकता होती है समाज के युवाओ में प्रतिभा का कोई अभाव नही है। आवष्यकता है उनकी प्रतिभा को खोजने हेतु सही मार्गदर्षन की।

विगत कुछ वर्षो से **विजयवर्गीय समाज** द्वारा **विजयवर्गीय राजसेवक परिषद्** से यह अपेक्षा की जाती रही है कि विजयवर्गीय समाज के युवाओं की प्रतिभा का लाभ समाज एवं राष्ट्र निर्माण हेतु प्राप्त करने के लिए वह आगे आवे एवं प्रतिष्ठित, षिक्षित एवं अनुभवी विषेषज्ञों के माध्यम से उनका सही मार्गदर्षन करे।

इसी भावना से प्रेरित होकर तथा समाज के सदस्यों से प्राप्त अमूल्य सुझावों को ध्यान में रखते हुए राजसेवक परिषद ने विजयवर्गीय समाज के युवाओं की प्रतिभा को सही दिषा देने के लिए **"विजयवर्गीयों का–विजयवर्गीयों के लिये–विजयवर्गीयों द्वारा"** के सामाजिक सिद्धान्त के आधार पर एक अभिनव योजना– **'प्रयास' विजयवर्गीय करियर निर्देषन** को प्रारम्भ करने के लिए दिनांक 10 जून 2018 को परिषद के प्रधान कार्यालय "संगम" विजयवर्गीय सामुदायिक केन्द्र एवं छात्रावास भवन स्थल पर सलाहकार मण्डल, कार्यकारिणी एवं निर्माण समिति की संयुक्त मीटिंग आयोजित कर इसे प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया तथा 17 जून 2018 को प्राप्त सभी सुझावों को ध्यान में रखकर इस योजना को अन्तिम रूप दिया गया। इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु करियर निर्देषन समिति का भी गठन किया गया ।

बेरोजगारी से त्रस्त, अवसाद से ग्रसित षिक्षित युवाओं के लिये राजनैतिक स्वतन्त्रता निरर्थक है जब तक उसे आर्थिक स्वतन्त्रता प्राप्त न हो । प्रतियोगिता के इस युग में सफल होने तथा जीविकोपार्जन के लिये उन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की आवश्यकता की पूर्ति राजसेवक परिषद अपनी इस अनूठी योजना के माध्यम से करने को प्रयासरत हैं । राजसेवक परिषद का इस दिशा में यह प्रथम प्रयास है। परिषद की अभिनव योजना **"प्रयास"** के माध्यम से योग्य एवं अनुभवी विशेषज्ञों की सेवाओं के द्वारा परिषद यह कार्य करने जा रही है जिसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है।

उद्देष्यः– राजसेवक परिषद की अभिनव योजना– **"प्रयास" विजयवर्गीय करियर निर्देषन** के प्रमुख उद्देष्य निम्न प्रकार है–

1. कक्षा ग्जी में उतीर्ण विद्यार्थियों को उनकी योग्यता (प्राप्तांक), अभिरूचि, क्षमता एवं उनकी पारिवारिक स्थिति के अनुसार आगे के अध्ययन हेतु सही विषय एवं चुनाव करने के लिए उन्हे सही मार्गदर्षन करना।
2. कक्षा ग्प्जी मे उतीर्ण विद्यार्थियों को उनकी योग्यता (प्राप्तांक), अभिरूचि क्षमता एवं पारिवारिक परिवेष को ध्यान मे रखते हुये आगे के अध्ययन हेतु उन्हे सही कोर्सेज/विषय/संकाय का चुनाव करने हेतु विषय विषेषज्ञो की सहायता से मार्गदर्षन प्रदान करना।
3. कक्षा 10 व 102 में कम प्राप्तांकों से उतीर्ण होने वाले एवं किसी एक या अन्य कारण से अवसाद (डिप्रेशन) में आने वाले छात्रों का मनोबल बढाकर उनकी योग्यता, अभिरूचि, एवं क्षमता के अनुसार सही कोर्सेज/विषय/संकाय का चुनाव करने में मदद करना एवं उन्हें अन्य विकल्पों के बारे में भी जानकारी प्रदान करना जिससे वे भी अपना भविष्य उज्ज्वल बना सके, तथा अवसाद (डिप्रेशन) की स्थिति से बाहर आ सके। यहॉ यह ध्यान रहे–

   "Failure is the key of further success. success is a continue process of efforts of further achievement."

   अर्थात असफलता ही सफलता की कुंजी है तथा सफलता प्रयासों की एक सतत प्रकिया है। भविष्य की उपलब्धि के लिए । अतः निराषा का जीवन में कोई स्थान नही होना चाहिए।

4. इच्छित कोर्सेज को पूरा करने एंव डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को इच्छित रोजगार हेतु सरकारी, अर्द्व–सरकारी एवं निजी क्षेत्र मे उपलब्ध विभिन्न विकल्पों एवं अवसरों की जानकारी प्रदान करना एवं उससे सम्बन्धित प्रकिया की विषय विषेषज्ञों की सहायता से जानकारी प्रदान कराना।
5. स्नातक एवं स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के पष्चात् योग्य छात्रों को नेट एवं शोध तथा अनुसंधान के बारे में विषय विषेषज्ञों की सहायता से जानकारी उपलब्ध करवाना।
6. प्रोफेसनल कोर्सेज से सम्बधित जानकारी विषय विषेषज्ञों की सहायता से उपलब्ध कराना।
7. प्रतिभाषाली विद्याार्थियों को अन्य क्षेत्रों के बारे में भी आवष्यक जानकारी प्रदान करना जैसे–खेल सांस्कृतिक–संगीत ड्रांइग, पेन्टिग, ज्वैलरी, फैंशन डिजाइनिंग, होटल प्रबन्ध, पर्यटन, पर्यावरण, मॉस कम्यूनिकेषन, ई–कामर्स, ई–बैंकिग, डिजिटल मार्केटिंग, रक्षा क्षेत्र जल–थल–एवं वायु एवं कृषि, नर्सिग आदि से सम्बधित कोर्सेज आदि।
8. प्रतिभाषाली छात्रों से सम्बन्धित विभिन्न छात्रवृतियों एवं बैंक ऋण की जानकारी।
9. विभिन्न संकायों से सम्बधित कोर्सेज/डिग्री/विषय आदि के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना–विषेषकरः–

(अ) विज्ञान संकाय –Faculty of science

(ब) वाणिज्य संकाय – Faculty of Commerce

(स) कला संकाय – Faculty of Arts

(द) प्रबन्ध संकाय – Faculty of Management

(य) विधि संकाय – Faculty of law

(र) कृषि संकाय –Faculty of Agriculture

उपरोक्त संकायों से सम्बन्धित विभिन्न कोर्सेज की जानकारी नेट के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते है। तथा विषय विषेषज्ञों की सहायता से भी प्राप्त कर सकते हैं।

सही चुनाव एवं इच्छित अभिरूचि के क्षेत्र निम्न हो सकते हैः–

(Field /Area of choice for proper selection related to their interest.)

1. Science and Technology including space and defence sector.
2. Commerce including- Transport, Banking, communication, insurance, industries, tourism sector.
3. Arts including- Drawing & Painting, Designing course, Humanities etc.
4. Professional sector.
5. Legal area.
6. Agricultural Sector.
7. Mining sector.
8. E-Commerce, E- Banking.
9. Digital Marketing.
10. Mass communication and social media.
11. Management.
12. Political Science
13. Public Administration.
14. Social Science, Philosophy, psychology, Ecology.
15. Environment.
16. Zoological survey.
17. Fashion Designing, Jewellery Designing and other courses.
18. Defence Sector.
19. Water resource Management.
20. Electricity.
21. Mechnical .
22. Dairy Development
23. Fisheries
24. Animal Husbandry
25. Film Industries

MOTIVATION:-

विषय चयन से पूर्व छात्रों के सुन्दर भविष्य एवं उच्च मनोबल हेतु ध्यान में रखने वाले बिन्दु निम्न प्रकार हैः–

1ण	सकारात्मक सोच (Be positive)	निराषा का कोई स्थान नही
2ण	श्रेष्ठ स्त्रोता (Good Listener)	धैर्य से सुनने की क्षमता
3ण	सहभागिता (Pariticipation)	कार्य में भाग लेने की तत्परता
4ण	सक्रियता (Creative)	आगे बढने के लिए सदैव तत्पर रहकर अपनी योग्यता का श्रेष्ठ प्रदर्षन करना
5ण	निर्णय लेने की क्षमता (Decision maker)	सबकी राय से सही निर्णय लेने की क्षमता।
6ण	आत्मबल (Self confidence)	अपने आप पर पूर्ण विष्वास करना
7ण	नेतृत्व क्षमता/गुण(Quality of Leadership)	योग्यता के आधार पर टीम तैयार कर कार्य में नेतृत्व करने की क्षमता का विकास
8ण	व्यक्तित्व विकास (Personality development)	व्यक्तिगत गुणों का विकास
9ण	साहसी क्षमता (Enterpreneurship)	नये कार्य को हाथ में लेकर जोखिम उठाने की क्षमता
10ण	सहकारिता का भावना (Team Sprit/ Corporative)	दूसरों के साथ मिलकर काम करने की भावना

		"एक सब के लिए और सब एक के लिये"
11th	चुनौति स्वीकार कर उससे लडने की क्षमता (capacity to accept challenges and fight to them)	विपरित स्थितियों से लड़कर अपने अनुकूल बनाने की क्षमता का विकास
12th	उत्पादकता का गुण (Quality of productivity)	नियोजक आपके कार्य में प्रभावी होकर आपको अमूल्य सम्पदा मानने को विवष हो
13th	प्रबन्धकीय गुण(quality of management)	उपलब्ध संसाधनों को बेहतर उपभोग करने की क्षमता।
14th	प्रभावी सम्प्रेक्षण (effective communication)	अपने विचारो को प्रबन्ध के विभिन्न स्तरों पर प्रभावी तरीके से रखने की क्षमता
15th	भाषा पर नियन्त्रण(comands on Language)	सही समय पर सही भाषा व नपे तुले शब्दों में अपनी बात रखने का गुणं
16th	सम्पूर्णता(Perfection)	सभी क्षेत्रों/विषयों की सामान्य जानकारी की आवष्यकता
17th	समन्वयक (coordinative)	सभी क्षेत्रों के विभागों एवं कर्मचारियों में समन्वय स्थापित कर कार्य करने का वातावरण तैयार करना
18th	अच्छा योजनाकार (Good Planner)	योजना को प्रभावी रूप से बनाकर प्रस्तुत करना
19th	समय–प्रबन्धक (Time-manager)	निश्चित समय सीमा तय करना
20th	अच्छा समन्वयक एवं नियंत्रक (good co-ordinator and controller)	सभी पर प्रभावी नियंत्रण करते हुये उनमें समन्वय स्थापित कराना ।

इच्छित विषय का चुनाव क्या और कैसे किया जाये (where how to select the desired subject)

विभिन्न संकायों से सम्बन्धित विभिन्न विषयों में से इच्छित विषय का चुनाव निम्न बातों को ध्यान में रखकर किया जा सकता है:–

1. स्वयं की योग्यता (प्राप्तांक) एवं अनुभव
2. माता–पिता से परामर्ष एवं आषीर्वाद प्राप्त करके
3. गुरूजन से उचित एवं आवष्यक राय परामर्ष
4. विषय विषेषज्ञो से राय परामर्ष
5. वरिष्ठ छात्रों के अनुभवों से लाभ प्राप्त करके
6. स्वयं की कार्यक्षमता को किस स्तर पर कितना अध्ययन कर सकते है
7. पारिवारिक परिवेष एवं आर्थिक स्थिति
8. नेट से आवष्यक जानकारी प्राप्त करना
9. ग्रुप वार्तालाप मे भाग लेकर
10. स्वयं की अभिरूची का क्षेत्र एवं विषय
11. अन्तिम निर्णय स्वयं का हो

चूंकि विजयवर्गीय राजसेवक परिषद की इस अनूठी अभिनव योजना **"प्रयास"–विजयवर्गीय करियर निर्देषन** का सम्बन्ध **"विजयवर्गीयों का–विजयवर्गीयों के लिये–विजयवर्गीयों द्वारा"** के सामाजिक सिद्धान्त पर आधारित है। यह राजसेवक परिषद का प्रथम प्रयास है, जिससे सीख लेकर आगे के कार्यक्रमों को सफल बनाने का भरपूर प्रयास किया जावेगा। इसकी सफलता छात्रों एवं उनके अभिभावकों की सहभागिता पर निर्भर करती है।

विजयवर्गीय राजसेवक परिषद् सभी सामाजिक बन्धुओं से अपील एवं निवेदन करती है कि वे अपने परिवार के छात्रों को समय समय पर "प्रयास" की आयोजित होने वाली सेमीनारों में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता से स्वयं भी लाभान्वित होवें एवं **"प्रयास"** कार्यक्रम को भी सफल बनाने मे अपनी भागीदारी सुनिष्चित करे।

भरा नही जो भावों से, बहती जिसमें रसधार नही।
हृदय नही वह पत्थर है, जिसमें समाज का प्यार नही।

–निवेदक–
विजयवर्गीय (वैश्य) राजसेवक परिषद, जयपुर